

द्मसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 🎞 — खण्ड ३--- उपकाण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

ずっ 492]

नई दिल्ली, सोम तर, ग्रास्ट्रबर 16, 1967/ग्राध्यिन 24, 1889

No. 492]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 16, 1967 ASVINA 24, 1889

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह धलग संकलन के क्प में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 7th October 1967

- S.O. 3760.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following amendment to the Essential Commodities (Regulation of Production and Distribution for purposes of Export) Order, 1966, published with the Notification of the Government of India, in the Ministry of Commerce Notification No. S.O. 1027, dated 26th March, 1966, namely:—
 - In the said Order.-
 - (i) in sub-clause (a) of clause 2, the words ", and includes any other officer authorised by the Central Government under clause 5A in relation to the powers so exercisable by him"; shall be added at the end.
 - (ii) after clause 5, the following clause shall be inserted, namely:-
 - "5A. Authorisation of other officers.—The Central Government may authorise any of its officers, not below the rank of an Under Secretary to the Government of India, to exercise all or any of the powers of the Director under this Order."

[No. 1(1)/67-TAEP-I.]

S.O. 3761.—In exercise of the powers conferred by clause 5A of the Essential Commodities (Regulation of Production and Distribution for the purpose of the Export) Order, 1966, the Central Government hereby authorises Shri N. S. Valdyanathan, Deputy Secretary to the Government of India. Ministry of Commerce, to exercise all the powers of the Director under the said. Order.

[No. 1(1)/67-TAEP-II.]

A. C. BANERJEE Jt. Secy.

वाचिष्य मंत्रालय

मभिसूबन,एं

नई विल्ली 7 अक्टूबर, 1967

एस० झो० 3762 अत्यानप्रयक्त वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की झारा 3 द्वारा प्रवत्त सिव्यों का अयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत सरकार, वाणिष्य मन्त्रालय की प्रधिसूचना संख्या सां० भा० 1027 दिनांक 26 नार्च, 1966 में प्रकाशित चत्वावश्यक वस्तु (निर्यात के उद्देश्य से उत्पादन तथा वितरण का विनियमन) चादेश, 1966 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रयात:—

उक्त आदेश में:---

- (1) खण्ड (2) के ज़पखण्ड (ए) के भन्त में ये शब्द जोड़े जायेंगे: "भौर उसके द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली शक्तियों के सम्बन्ध में खण्ड 5 ए के भ्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भ्रन्य अधिकारी शामिल है"
- (2) खुण्ड 5 के बाद निम्नलिखित जोड़ा जारेगा; प्रजीत्:--
- "ई ए मृश्य झिक्ष हाहियों की प्रशिकृत उरतः केन्द्रीय सरकार घपने घष्टिकारियों में से किसी की भी, जिसका पद धारत सरकार के घडीन तिदेशक की सभी शक्तियों या उनमें से किसी भी शक्ति का प्रयोग करने के खिदे प्राधिकृत कर सकेगी।"

[सं9 1(1)/67-दी एई पी।]

एस्र० स्तो० 3763 अत्यावश्यक वस्तु (निर्यात के उद्देश्य से उत्पादन तथा वितरण का विनियमन) भादेश, 1966 के सण्य 5 ए द्वारा अवस सक्तिकों का अभोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा उक्त भादेश के भंधीन निदेशक की सभी सक्तिकों का प्रयोग करने हेतु श्री एन० एस० वैद्यनाथन, उपसच्चित्र, भारत सरकार, वाणिज्य मन्त्रालय को प्राधिकृत करती है।

> [सं० 1 (1) /67-टी ए ई पी-2 ।] ए० सी० बनर्जी, संस्कृत सचिव ।